



झारखंड को अलग राज्य भाजपा ने बनाया : मरांडी

गोमिया विधानसभा में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री और झारखंड में भाजपा की सरकार बनाने का किया आह्वान

भाजपा की सरकार बनी, तो छह महीने में रिक्त पदों को भरा जायेगा



आजाद सिपाही संवाददाता

गोमिया। संकल्प यात्रा के छठे चरण के दौरान गोमिया विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर जम कर हमला बोला। भ्रष्टाचार मुक्त, अपराध मुक्त शासन के लिए भाजपा की सरकार बनाने का आह्वान किया। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार गांव, गरीब, किसान और महिला के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने प्रधानमंत्री बनते ही अपने कार्यकाल का पहला कार्य मां बहनों के लिए इज्जत घर शौचालय का निर्माण करवाया। कोविड काल में जब कल कारखाने बंद हुए तो मोदी ने सीधे खाते में पैसे डालने का कार्य किया, जबकि राजीव गांधी के कार्यकाल में केंद्र से चलने वाला एक रुपये का पंद्रह पैसे पहुंचता था। उन्होंने कहा कि मोदी जी गरीबों के लिए अनाज भेज रहे हैं, किंतु हेमंत सोरेन सरकार अनाजों की कालाबाजारी करवा रही है।

महिलाओं को मिला बड़ा तोहफा

श्री मरांडी ने कहा कि मोदी जी ने महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण बिल लाकर बड़ा तोहफा दिया है। इस बिल के तहत 33% बहनों को इसका लाभ मिलेगा। इससे पहले रक्षा बंधन में बहनों को गैस पर सब्सिडी का बड़ा तोहफा दिया था। इस योजना के तहत 75 लाख नये बहनों को भी जोड़ा जाना है जबकि कांग्रेस काल में पैरी वाली गैस कनेक्शन मिलता था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वकर्मा पूजा के दौरान करीगरो के लिए विश्वकर्मा योजना लांच किया। इसके तहत 13 हजार करोड़ के बजट का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने नाई, बदई, लोहार, मोची की चिंता की है। उन्होंने कहा कि जब-जब कांग्रेस के सहयोग से सरकार बनी है बड़े बड़े भ्रष्टाचार हुए हैं जबकि भाजपा की सरकार में विकास कार्य आगे बढ़ा है।

झारखंड के सपने को भाजपा ने पूरा किया

उन्होंने कहा कि अलग राज्य झारखंड के सपने को शिवू सोरेन, हेमंत सोरेन ने नहीं बल्कि भाजपा ने पूरा किया। कांग्रेस की गोट में बैठकर जेएमएम आंदोलन करते रही। 60 वर्षों तक शासन करने वाली कांग्रेस ने झारखंडियों को ठगने का कार्य किया। 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में सरकार बनी और

सन 2000 में अलग राज्य झारखंड का सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अलग राज्य बनाया है, इसे संवारने का कार्य भी भाजपा ही करेगी। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल, अर्जुन मुंडा और सुवर दास के कार्यकाल में विकास कार्य हुआ जबकि कांग्रेस जेएमएम ने झारखंड को लूटने का कार्य किया है।

झारखंड में कानून व्यवस्था चौपट

श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था चौपट हो गयी है। हेमंत सरकार में अपराधियों में कानून का डर समाप्त हो गया है। अपराधमूक्त प्रदेश बनाना है। हेमंत सरकार में जिस पुलिस को कानून व्यवस्था ठीक करना था वे हेमंत सरकार के इशारे पर वसूली में व्यस्त हैं। बालू गाड़ियों से वसूली में लगे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने रोजगार नहीं तो भत्ता और नियुक्ति बर्ष की घोषणाएं करते रहे किंतु नियुक्ति नदारद है। हेमंत को दलालों, बिचौलियों और कोथला, बालू लुटाने से फुरसत नहीं है। भाजपा की सरकार बनी तो छह महीने में रिक्त पदों को भरा जायेगा। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने पदाधिकारियों को कमीशनखोरी में लगा दिया है। उन्होंने

कहा कि हेमंत सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। पैसे लेकर अयोग्य व्यक्तियों का राशन कार्ड बनाया जा रहा है जबकि गरीब व्यक्ति भूखे मरने को मजबूर हैं। अंचल ब्लॉक और जिला के सरकारी कार्यालयों में बिना पैसे दिये कोई काम नहीं होता है। जन्म प्रमाण पत्र से लेकर मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में भी पैसे देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि डडी के नोटिस से हेमंत भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि चोरी की है तो सजा मिलेगी है। सोरेन परिवार महाजन से लड़ते-लड़ते खुद महाजन हो गये। साथ ही उन्होंने अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त शासन और विकास कार्य के लिए 2024 में केंद्र में मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री और झारखंड में भाजपा की सरकार बनाने का अपील की।

डॉ अशोक कुमार ने की राष्ट्रपति से मुलाकात



आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। रांची के डीएवी आलोक के प्राचार्य डॉ अशोक कुमार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन दिल्ली में मुलाकात की। उनके साथ रांची डीपीएस के प्रिंसिपल डॉ राम सिंह और

गुरुनाक स्कूल के पूर्व प्राचार्य डॉ मनोहर लाल भी मौजूद थे। डॉ अशोक कुमार ने बताया कि झारखंड की शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा हुई। राज्य में शिक्षा को और कैसे बेहतर बनाया जाये, इसके बारे में उन्होंने कुछ सुझाव भी दिया।

नाबालिग से दुर्कर्म करनेवाले विजय और प्रेम अंतिम सांस तक जेल में रहेंगे

रांची (आजाद सिपाही)। नाबालिग को अगवा कर सामूहिक दुर्कर्म करने के तीन दोषियों के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट ने सजा का एलान कर दिया है। अदालत ने नाबालिग दोषी को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनायी है, वहीं दो अन्य दोषियों को अंतिम सांस तक जेल की सलाखों के पीछे रखने का आदेश दिया है। रांची सिविल कोर्ट स्थित पोक्सो की विशेष अदालत ने यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने जिन्हें दोषी करार दिया है, उनमें एक नाबालिग समेत विजय रजवार और प्रेम कुमार शामिल हैं। 11 अगस्त 2020 को झरखंड थाना क्षेत्र के पोखर टोली में एक नाबालिग के साथ सामूहिक दुर्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। पीड़िता से आरोपी विजय की जान-पहचान थी। विजय ने पीड़िता को धोखे से फोन कर बिरसा चोक बुलाया। वहां आरोपियों ने उसे जबरन रकूटी में बिठा कर पोखर टोली स्थित एक बाउंड्रीवाल के अंदर ले गये, जहां जबरन पीड़िता को शराब पिलायी और बारी-बारी से सभी ने दुर्कर्म किया।

झामुमो जिला समिति की ऑनलाइन बैठक हुई सदस्यता अभियान तेज करें : विनोद पांडेय

केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कई जरूरी दिशा निर्देश दिये



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शनिवार को झामुमो के गोड्डा जिला समिति और साहिबगंज जिला समिति की विस्तारित ऑनलाइन बैठक (जिला अंतर्गत केंद्रीय समिति के सभी सदस्य, जिला समिति के सभी पदाधिकारी तथा वर्ग संगठन के जिलाध्यक्ष एवं जिला सचिव सहित) पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में शामिल सदस्यों के द्वारा दिये गये मंत्रय एवं सुझावों पर चर्चा के उपरांत केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार

पांडेय ने कई जरूरी दिशा निर्देश दिये। सभी सदस्यों के साथ क्रमशः गोड्डा और साहिबगंज जिला में संगठन की मजबूती पर चर्चा करते हुए जिला समिति द्वारा क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों का आकलन किया गया साथ ही सभी उपस्थित पदाधिकारी तथा सदस्यों को झारखंड सरकार द्वारा जनहित में लायी गयी योजनाओं की जानकारी देते हुए योजनाओं को आम जनों

तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। जिससे आम जनों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। बैठक में पार्टी के सदस्यता अभियान पर भी चर्चा करते हुए जिला समिति को सदस्यता अभियान को तेज करने का निर्देश दिया गया। सदस्यता अभियान के लिए जिला स्तर पर कार्यक्रम तय कर बूथ स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।



सौ. पी. राधाकृष्णन
राज्यपाल, झारखण्ड



संदेश



हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

वन्यप्राणियों की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी झारखण्ड राज्य में 01 अक्टूबर से 07 अक्टूबर, 2023 तक वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वन्यप्राणी सप्ताह मनाया जा रहा है एवं इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। वन्यप्राणी पारिस्थितिकी संतुलन के लिये महत्वपूर्ण कड़ी हैं। हमारे आस-पास एवं वनों में पाये जाने वाले वन्यजीव यथा बाघ, भालू, हाथी, तेन्दुआ, मोर, गिलहरी, खरगोश व विभिन्न प्रकार के पक्षी, मधुमक्खी, रेशम के कीट, लाह, तितली इत्यादि मानव जीवन को रोमांचक एवं सुखद बनाते हैं। वन, वन्यप्राणी एवं मनुष्य, सबका अस्तित्व एक-दूसरे पर आश्रित है।

झारखण्ड राज्य का लगभग एक तिहाई भू-भाग सखुआ, करम एवं अन्य प्रकार के वनों से आच्छादित है। ये वन, वन्यप्राणियों के प्राकृतिक वास स्थल हैं। आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु मनुष्य की विभिन्न गतिविधियों के कारण वनों पर दबाव बढ़ा है जिसके कारण वन्यप्राणियों के वास स्थल प्रभावित हुए हैं। फलस्वरूप यदा-कदा वन्यजीव मानव दंष्ट्र जैसी स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है।

वन एवं वन्यजीव, अनादिकाल से मानव के सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक चेतना के केन्द्र रहे हैं। वन एवं वन्यजीवों में कमी नहीं हो, यह राज्यवासियों का कर्तव्य है। वन विस्तार एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण के लिए सरकार के स्तर से अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

राज्यवासियों से मेरी अपील है कि हम सब वन्यप्राणियों के संरक्षण का संकल्प लें तथा वन एवं वन्यजीव की सुरक्षा हेतु अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करें।

वन्यप्राणी संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य में 01 अक्टूबर से 07 अक्टूबर, 2023 तक वन्यप्राणी सप्ताह मनाया जा रहा है। वन एवं वन्यजीव हमारे जीवन के अभिन्न अंग हैं। झारखण्ड राज्य को प्रकृति ने जंगलों से धनी बनाया है। ये जंगल वन्यप्राणियों के वास स्थान हैं। प्रकृति ने अनेक जीव-जंतुओं से इन वनों को सुशोभित किया है। हमारे वनों में बाघ, हाथी, तेन्दुआ, बंदर, भालू, मोर, सांप, खरगोश, गिलहरी अनेक प्रकार के पक्षी इत्यादि जीव-जंतु पाये जाते हैं। जीव-जगत में वन, वन में निवास करने वाले वन्यप्राणी, मनुष्य तथा अन्य सभी प्राणियों के जीवन एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। प्राणियों के सह-अस्तित्व के लिये जैव-विविधता प्रकृति की व्यवस्था है। वन्यप्राणियों की संख्या में कमी होने से पारिस्थितिकी असंतुलन का खतरा उत्पन्न हो जाता।

विकास की दौड़ में वन्यप्राणियों का पर्यावास अर्थात् हमारे वन प्रभावित हुए हैं। जिसके फलस्वरूप यदा-कदा वन्यजीवों का मानवों से टकराव भी हो जाता है। वन्यप्राणियों से जान-माल की हुई क्षति की पूर्ति सरकार के द्वारा की जाती है।

हमारी धरती, अहिंसा की धरती है। हमारे पर्व-त्योहार, रीति-रिवाज, संस्कृति एवं धर्म-अध्यात्म में वन्यप्राणियों एवं वन-वृक्षों का बहुत महत्व है। इन वन्यप्राणियों का संरक्षण हमारा परम कर्तव्य एवं दायित्व है। सरकार द्वारा वन्यप्राणियों के संरक्षण के उद्देश्य से राष्ट्रीय उद्यान, गज परियोजना, व्याघ्र आरक्ष, वन्यप्राणी आश्रयणी तथा प्राकृतिक वनों का प्रबंधन किया जाता है। वन्यप्राणियों के पर्यावास उन्नयन के लिये सरकार वनों के विस्तार की योजनायें लागू करती है।

वन्यप्राणी सप्ताह के अवसर पर हम सभी झारखण्डवासी वन्यप्राणी की सुरक्षा एवं संरक्षण में सहभागी बनें तथा वन्यजीवों के साथ-साथ अपने जीवन को सुरक्षित बनायें।

